25/07/19

PAGE No
DATE : / /201

पाठ-५

भंगाहल का तिलिस्मी संसार

शब्द	अर्थ
सुरम्य	बेहद सुंदर
दुर्गम	जहाँ पहुँचना कठिन हो
खिताब	उपाधि
तिलिस्मी	मायावी
रुपहले	सुंदर
पारदर्शी	जिसके आर-पार देखा जा सके
रमणीय	खूबसूरत / सुंदर
नैसर्गिक	प्राकृतिक
हैरतअंगेज़	हैरान करनेवाले
अनूठी	अनोखी
अभिभूत	मुग्ध, भावविभोर
विहंगम	ऊँचाई से देखना
बाशिंदे	रहनेवाले, निवासी
घुमक्कड़	घूमनेवाला
मुगालता	धोखा
विशिष्ट	विशेष
दरख्त	पेड़
मानस पटल	हृदय पर
अठखेलियाँ	चुलबुलापन, चपलता
पड़ाव	बसेरा, कैंप
रोमांच	भय, आश्चर्य आदि के कारण रोएँ खड़े होना
गद्दी	पहाड़ो पर विचरण करनेवाली एक विशेष जाति, जो पालतू भेड़-बकरियाँ पहाड़ों पर चराने के लिए जाती है।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

मानक वर्तनी
रोमांच, प्रेमी, घुमक्कड़, तिलिस्मी, पारदर्शी, संस्कृति, हैरतअंग्रेज, नैसर्गिक, मानस, आकर्षित, सर्पीली, रेंगती, दरख्तों, सुरम्य, प्रतिकात्मक, उद्भव, संपर्क, गद्दी, गरमी, दह, नक्काशी, विहंगम

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न-1 रोमांच-प्रेमियों का तिलिस्मी लोक किसे कहा गया है
उत्तर= रोमांच-प्रेमियों का तिलिस्मी लोक भंगाहल घाटी को कहा गया है।

प्रश्न-2 भंगाहल घाटी अन्य क्षेत्रों से किस तरह भिन्न हैं?
उत्तर= भंगाहल घाटी अन्य क्षेत्रों से कई तरह से भिन्न है। यहाँ के लोगों की अनूठी संस्कृति, दिलचस्प परंपराएँ, खानपान एवं पहनावा प्रदेश के बाकी क्षेत्रों से मेल नहीं खाता।

प्रश्न-3 बिलिंग क्यों मशहूर है?
उत्तर= बिलिंग रोमांचक खेलों के आयोजन के लिए मशहूर है। हैंगग्लाइडिंग और पैराग्लाइंग के लिए तो बिलिंग जैसी जगह समूचे एशिया में नहीं। 1984 में यहाँ सबसे पहले हैंगग्लाइडिंग का आयोजन हुआ था। इसके बाद तो यह स्थल अंतर्राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर आ गया।

प्रश्न-4 रावी नदी का उद्गम कहाँ से होता है?
उत्तर= रावी नदी का उद्गम इसी घाटी के 'रई गाहर' नामक स्थल से होता है जिसे कुछ लोग 'हनुमान किला' भी कहते हैं।

प्रश्न-5 भंगाहल घाटी के लोग किसको देवियों के रूप में पूजते हैं?
उत्तर= भंगाहल घाटी के लोग 'सतभाजणियों' (गंगा, यमुना, सरस्वती, व्यास, सतलुज, चेनाब, रावी) नदियों को देवी के रूप में पूजते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न-1 बीड़ रोड से बिलिंग तक के सफ़र का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए?
उत्तर- बैजनाथ-मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीड़ रोड से चाय-बागानों का सिलसिला शुरू होता है, जहाँ सड़क के दोनों ओर चाय की पत्तियाँ तोड़ती महिलाओं के गीत सुनाई पड़ते हैं। आगे कुछ बौद्ध भिक्षु मंत्रों का जाप करते दिख जाते हैं। आगे बाज़ार है, जहाँ कुछ दुकानें और चाय का कारखाना है। आगे घने जंगलों का सिलसिला और पहाड़ों पर बनी सड़क आगे का सफ़र शुरू होता है। चौदह किलोमीटर का सफ़र जब 'बिलिंग' पर समाप्त होता है, तब हमारा साक्षात्कार एक ऐसी दुनिया से होता है, जहाँ का अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य मन को मोह लेता है

प्रश्न-2 बिलिंग पर पाँव पड़ते ही कैसा अनुभव होता है?

उत्तर: बिलिंग पर पाँव पड़ते हैं तो यों लगता है जैसे आसपास के पहाड़ हमारे लिए बौने पड़ गए हों और हम अंतरिक्ष में तैर रहे हों। दूर-दूर तक पहाड़ियों का सिलसिला है। नीचे झाँकें तो छोटे-छोटे गाँव, खिलौने से घर, लहलहाती फ़सलें, जिन्हें देखकर धरती पर विशाल गलीचा बिछे होने का मुगालता होने लगता है - बरबस ही मन मोह लेते हैं। पर्वत शृंखलाओं पर अठखेलियाँ करते बादल प्रकृति के विभिन्न रूपों से रूबरू करवाते हैं।

प्रश्न-3 'हनुमान किले' से संबंधित लोककथा क्या है?

उत्तर: हनुमान किले से संबंधित लोककथा यह है कि इस किले में कभी सात देवी बहनों 'सतभाजणियों' का वास था। किसी कारणवश आपस में मनमुटाव होने पर एक रात छह बड़ी बहनें, छोटी बहन को सोता छोड़कर रई सागर से दूर विभिन्न स्थानों को चली गईं। जहाँ वे नदी के रूप में बहने लगीं। ये नदियाँ गंगा, यमुना, सरस्वती, व्यास, सतलुज और चेनाब हैं। सुबह जब छोटी बहन की नींद खुली तो स्वयं को अकेला पाकर वह रोने लगी। उसके नेत्रों से इतने आँसू बहे कि उन्होंने नदी का रूप धारण कर लिया और वह स्वयं रावी नदी बन गई। भंगाहल के लोग सतभाजणी को देवियों के रूप में पूजते हैं।

प्रश्न-4 भंगाहल गाँव के लोगों का जीवन कैसा है?

उत्तर: भंगाहल ज़िला काँगड़ा का आख़िरी गाँव है। इसके एक तरफ़ लाहौल-स्पीति, दूसरी तरफ़ कुल्लू और तीसरी तरफ़ चंबा की सीमाएँ हैं। भंगाहल की आबादी 500 के आसपास है। लकड़ी से निर्मित अधिकांश घर दो मंज़िला हैं। नीचे भेड़-बकरियाँ और ऊपर लोग खुद रहते हैं। देवदार के शहतीरों पर की गई नक्काशी देखते ही बनती है। पत्थरों और लकड़ी की शहतीरों को डालकर बनाए गए इन घरों की छतें ढलानदार हैं ताकि बर्फ़ इन पर टिक न सके। सरदियों में जब बाहरी दुनिया से भंगाहल का संपर्क कट जाता है तो यहाँ के लोग अपेक्षाकृत मैदानी घाटियों की तरफ़ पलायन नहीं करते बल्कि यहीं अपनी दुनिया में मौज़ मनाते हैं और नाच-गानों के दौर से माहौल को जीवंत रखते हैं।

प्रश्न-5 भंगाहल घाटी को तिलिस्मी लोक क्यों कहा गया होगा? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: भंगाहल घाटी को तिलिस्मी लोक इसलिए कहा गया होगा क्योंकि यहाँ के अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य, यहाँ की चहल-पहल, यहाँ के ख़ूबसूरत पारदर्शी झरने मन को मोह लेते हैं, तथा यहाँ के रंग-बिरंगे पक्षी और ढलानदार खेत देखकर ऐसा लगता है, मानो हम स्वर्ग में आ गए हैं।

प्रश्न-6 पहाड़ी क्षेत्र में रहनेवाले लोगों का जीवन शहरी जीवन से किस प्रकार भिन्न होता होगा? तुलना और विश्लेषण कीजिए।

उत्तर-

पहाड़ी	शहरी
यहाँ पर ताज़ी हवा का अनुभव कर सकते हैं। यहाँ अधिक मात्रा में प्रदूषण नहीं होता है। यहाँ पर हर प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं। सभी प्रकृति का आनंद उठाते हैं।	यहाँ पर ताज़ी हवा का अनुभव नहीं कर सकते हैं। यहाँ अधिक मात्रा में प्रदूषण होता है। यहाँ पर हर प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं। यहाँ पर प्रकृति का आनंद नहीं उठा सकते।

Ashish 06/08/19

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera